

अध्याय - 2 | जीव जगत का वर्गीकरण

- जीवों का वर्गीकरण सबसे पहले वैज्ञानिक रूप से किसने किया?
 - डार्विन
 - अरस्टु
 - लीनियस
 - वूज(B)

व्याख्या: अरस्टु ने सर्वप्रथम वैज्ञानिक मानदंडों के आधार पर जीवों का वर्गीकरण किया था। उन्होंने पौधों को वृक्ष, झाड़ी और शाक के रूप में बाँटा था।

- लीनियस द्वारा प्रस्तावित द्विं-जगत पद्धति में कितने जगत सम्मिलित थे?
 - तीन
 - चार
 - दो
 - पाँच(C)

व्याख्या: लीनियस ने द्विं-जगत पद्धति (Two Kingdom System) में जीवों को दो जगतों — पादप जगत (Plantae) और जन्तु जगत (Animalia) — में वर्गीकृत किया था।

- पाँच-जगत वर्गीकरण पद्धति का प्रतिपादन किसने किया?
 - अरस्टु
 - वूज
 - आर. एच. व्हिटेकर
 - डार्विन(C)

व्याख्या: 1969 में आर. एच. व्हिटेकर ने पाँच-जगत वर्गीकरण प्रणाली दी, जिसमें जीवों को कोशिका संरचना, पोषण विधि और शरीर संगठन के आधार पर बाँटा गया।

- निम्नलिखित में से कौन-सा प्रोकैरियोटिक जगत है?
 - मॉनेरा
 - प्रोटिस्टा
 - फंजाई
 - प्लांटी(A)

व्याख्या: मॉनेरा जगत में सभी प्रोकैरियोटिक जीव जैसे बैक्टीरिया और सायनोबैक्टीरिया सम्मिलित हैं।

- तीन-डोमेन प्रणाली (Three Domain System) किस वैज्ञानिक ने प्रस्तावित की?
 - लीनियस
 - वूज
 - व्हिटेकर
 - अरस्टु(B)

व्याख्या: वूज ने तीन-डोमेन प्रणाली प्रस्तुत की, जिसमें जीवों को आर्किया, बैक्टीरिया और यूकैरिया डोमेन में बाँटा गया।

- मॉनेरा जगत के जीव किस प्रकार की परिस्थितियों में भी जीवित रह सकते हैं?
 - केवल गर्म जलवायु में
 - केवल ठंडे प्रदेशों में
 - अत्यंत प्रतिकूल परिस्थितियों में
 - केवल ताजे पानी में(C)

व्याख्या: मॉनेरा के जीव अत्यंत प्रतिकूल परिस्थितियों जैसे खारे झील, गर्म झरनों और ठंडे ध्रुवों में भी जीवित रह सकते हैं।

- आद्य बैक्टीरिया (Archaeabacteria) की कोशिका भित्ति में कौन-सा पदार्थ पाया जाता है?
 - स्थूरामिक अम्ल
 - पॉलीसैक्रेटाइड और पॉलीपेटाइड
 - काइटिन
 - सेल्युलोज(B)

व्याख्या: आद्य बैक्टीरिया की कोशिका भित्ति पॉलीसैक्रेटाइड और पॉलीपेटाइड से बनी होती है, जिससे वे कठोर परिस्थितियों में जीवित रह पाते हैं।

- सायनोबैक्टीरिया (नील-हरित शैवाल) में कौन-सा रंगद्रव्य पाया जाता है?
 - क्लोरोफिल-a
 - कैरोटीन
 - फाइकोसाइनिन
 - दोनों A और C(D)

व्याख्या: सायनोबैक्टीरिया में क्लोरोफिल-a और फाइकोसाइनिन दोनों रंगद्रव्य पाए जाते हैं, जिससे वे प्रकाश संश्लेषण कर पाते हैं।

- नाइट्रोजन स्थिरीकरण में कौन-सी विशेष कोशिकाएँ कार्य करती हैं?
 - हेट्रोसिस्ट
 - कशाम
 - राइजोइड
 - क्रोमैटिन(A)

व्याख्या: नॉस्टॉक और एनाबेना जैसे सायनोबैक्टीरिया में उपस्थित हेट्रोसिस्ट कोशिकाएँ वातावरणीय नाइट्रोजन को स्थिर करती हैं।

- माइक्रोप्लाज्मा किसकी अनुपस्थिति के कारण विशिष्ट है?
 - नामिक
 - माइटोकॉन्ड्रिया
 - कोशिका भित्ति
 - कोशिका डिल्ली(C)

व्याख्या: माइक्रोप्लाज्मा सबसे छोटा प्रोकैरियोटिक जीव है जिसकी कोशिका भित्ति अनुपस्थित होती है, इस कारण यह बिना ऑक्सीजन के भी जीवित रह सकता है।